राखीगढ़ी

चर्चा में क्यों?

23 फरवरी, 2022 को प्रख्यात पुरातत्त्ववविद् वसंद् शदि ने बताया कि हरियाणा के हसिार स्थति राखीगढ़ी में हुए शोध को 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ जीनोमकि'जर्नल ने 'नाइन ब्रेक थ्रू रसिर्च'की सूची में तथा प्रतष्ठिति जर्नल 'साइंस'ने 'शीर्ष 10' में शामलि कयिा है।

प्रमुख बदि

- राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। यह स्थल सरस्वती नदी के मैदानी क्षेत्र में स्थति है, जो मौसमी घग्गर नदी से लगभग 27 कमिी. दूर है।
- 6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूर्व तक इसके क्रमकि वकिास का अध्ययन करने के लयि एएसआई के पुरातत्त्ववविद् अमरेंद्र नाथ के नेतृत्व में राखीगढ़ी में खुदाई की गई।
- उल्लेखनीय है कि प्रो. शदि ने राखीगढ़ी से संबंधति शोधों में महत्वपूरण भूमकिा नभिाई थी। प्रो. शदि भारतीय इतहिास से संबंधति इन शोधों पर एक पुस्तक 'हस्टि्री ऑफ इंडयिा'का लेखन भी कर रहे हैं।
- प्रो. शदि ने बताया कि-
  - राखीगढ़ी, लोथल गलिुंड, नुजात आदि स्थिलों पर हुई खुदाई में मलि अवशेषों, साक्ष्यों और कंकालों की डीएनए रपिोर्ट से यह साबति हो चुका है कि हड़प्पा सभ्यता वश्वि की सबसे प्राचीन और सर्वाधकि वकिसति सभ्यता थी।
  - आर्यों के आक्रमण और बाहर से आने का सद्धिांत मनगढ़ंत और झूठा है जसिकी पुष्टि पुरातत्त्व और डीएनए की वैज्ञानकि जाँच के आधार पर की जा चुकी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rakhigarhi-1